Email: csjmu@kanpuruniversity.org TEL: 0512-2080024

: 0512-2582251

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

कल्याणपुर, कानपूर

उत्तर प्रदेश-208024

दिनांक: 21-02-2022

आर्टीफिशियल इंटिलिजेंस के लिए टेंसर फ्लो की बेहतर समझ आवश्यक- प्रो मिश्रा

- मशीन लर्निंग शिक्षा जगत में बदलाव का सूचक

सूचना प्रोद्योगिकी के दौर में आर्टीफिशियल इंटिलिजेंस ने दुनिया की रंगत बदल दी है। कंप्यूटर की दुनिया अब पूरी तरह से नए तौर-तरीकों से संचालित हो रही है। ऐसे में इसके जानकारों को भी पठन-पाठन की पद्धति में बदलाव लाना होगा। शिक्षकों को आर्टीफिशियल इंटिलिजेंस के पैकेज टेंसर फ्लो (भाषा) की बेहतर समझ विकसित करनी होगी। साथ ही इसे आसानी के साथ छात्रों को भी समझाना आवश्यक है। ताकि वे नए दौर की तकनीकों को सहजता के साथ समझ सकें। इस समझने की परिपाठी को बेहतर प्रारूप में टेंसर फ्लो के माध्यम से समझा जा सकता है।

यह कहना है आईआईटी पटना के प्रो राजीव मिश्रा का जो छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में ए.आई.सी.टी.ई-आई.एस.टी.ई द्वारा प्रायोजित मशीन लर्निंग रिफ्रेशर कोर्स के चौथे दिन मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। प्रो मिश्रा ने अपने व्याख्यान में कहा कि हाल ही वर्षों में डेटा को लेकर एक नयी क्रांति देखी जा सकती है। डेटा मैनेजमेंट एक व्यव्सथित प्रकिया हो इसके लिए तकनीक का उपयोग बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। फेसबुक, गूगल समेत तमाम दिग्गज कंपनियां डेटा के बेहतर उपयोग व व्यवस्थित

क्रम पर विशेष ध्यान व प्रशिक्षण दे रही हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव (सी.एस.आई.आर, सेक्सेरी पिलानी) ने रिकरंट न्यूरल नेटवर्क (आरएनएन) विषय पर प्रतिभागियों से अपने विचार साझा किये।पाठयक्रम की कोआर्डिनेटर डॉ. राशी अग्रवाल ने दूसरे सत्र में लैब के साथ कनवल्शन न्यूरल नेटवर्क (सीएनएन) विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मशीन लर्निंग का युग है और इसके माध्यम से देश की दशा और दिशा में तेजी से तरक्की के मार्ग प्रशस्त किये जा सकते हैं। शिक्षा जगत में यह बदलाव का सूचक है।

डॉ. विशाल शर्मा

मीडिया प्रभारी

Vishalsharma@csjmu.ac.in